प्यारो घणो लागे जी नारायण

प्यारो घणो लागे जी नारायण थांको मालासेरी दरबार,

मंदिरिया के आजु बाजू
सरोवर भरिया हजार,
ऊँची ऊँची लहरें चाले,
ठण्डी चाले फुवांर ॥ प्यारो.....

भांत भांत का रुक भरकड़ा
पायो नही कोई पार,
कोयल मोर पपहिया बोले,
बोले राग मलार ॥ प्यारो.....

भोजा जी गोड़ी पर
बैठा बगड़ावत सरदार,
मंदिर माही बैठी साडू
माता महिमा अपरम्पार ॥ प्यारो...

.

लंबो चोडो मंदिर
थांको छोड़ा है चौबार,
एक साल में दो- दो मेला
आवे लाखों नरनार ॥ प्यारो .....

राती जगा और जात
जडूला आवे रोज अपार,
चम्पा लाल मालासेरी
वालो थांका गावे मंगलाचार ॥

प्रजापति म्यूजिकल ग्रुप भीलवाड़ा (राज.)

Source:
https://www.bharattemples.com/pyaro-gano-lage-ji-narayan-thanko-malaseri-darbar/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw